भोपाल शहर के शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की दी जाने वाली खेल सुविधाओं एंव खेल उपलब्धि का मूल्यांकन

Praveen Kumar*

Assistant Professor, Department of Physical Education, Victoria College of Education, Bhopal (M.P.) India

सारांश *- भोपाल शहर के शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की दी जाने वाली खेल सुविधाओं एवं खेल उपलब्धि का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। न्यादर्श के रुप में 90 शिक्षकों का चयन किया गया। निष्कर्ष में विद्यार्थियों की दी जाने वाली खेल सुविधाएं संतोषजनक नहीं पायी गयी एवं उपलब्धि का स्तर निम्न पाया गया।*

मुख्य बिन्दुः- *खेल सुविधा खेल उपलब्धि*

प्रस्तावना

शारीरिक शिक्षा उन छात्रों तक ही केंद्रित नहीं है जो स्कूल या कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं बल्कि यह जनसंख्या के हर वर्ग को बिना आयु, लिंग, शारीरिक योग्यता या शारीरिक स्तर के भेदभाव के सभी को सम्मिलित करता है, शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम केवल एथलीटों या खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और उनकी दक्षताओं को विकसित करने के लिये ही नहीं होते बल्कि यह समाज के प्रत्येक सदस्य की रूचियों व आवश्यकताओं की भी पूर्ति करने के लिए होते है। शारीरिक शिक्षा के इस क्षेत्र में ज्ञान, समझ, विष्लेषण, संष्लेषण और मूल्यांकन आदि सम्मिलित रहते हैं जो बौद्धिक योग्यता व दक्षता के विकास के लिए उत्तरदायी हैं।

इस लक्ष्य का सम्बन्ध बढ़ते ज्ञान, समस्या निदानात्मक योग्यता में सुधार, समझ या बोधगम्यता को विशुद्ध करने एंव अवधारणाओं का विकास और उन्हें पहचानने से है। बौद्धिक, शारीरिक एवं भावनात्मक विकास से निकट सम्बन्ध है। शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम ज्ञान और परिष्कृत व्यवहार द्वारा संज्ञात्मक विकास में योग देते हैं। अच्छा स्वास्थ्य शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहन देता है। जो सामाजिक और भावनात्मक विकास प्रक्रिया में सहायक है।

पूर्व शोध कार्य

शर्मा आलोक (**2012**) ने "ताईक्वान्डो पुरुष खिलाडियों में खेल सुबिधाओं एवं उपलब्धि का अध्ययन" किया। न्यादर्श के लिए हिमाचल प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों से **90** ताईक्वान्डो पुरुष खिलाडियों को चुना गया। उपकरण के रुप में स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। निष्कर्ष में खेल सुविधाओं एवं उपलब्धि में सार्थक सहसंबध पाया गया।

शर्मा (**2000**) इन्होंने "द सर्वे ऑफ़ फिजिकल एज्युकेशन फैसिलिटीज एण्ड प्रोग्राम्स इन हाई

स्कूल्स ऐण्ड सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल्स ऑफ़ ग्रेटर ग्वालियर" इस विषय पर अध्ययन किया। इसमें वृहद ग्वालियर के स्कूलों में शारीरिक शिक्षा सुविधाओं पर अध्ययन किया। चयनित 35 हाई स्कूलों एवं सीनियर सेकेण्ड्री स्कूलों के प्राचार्यों को प्रश्नावलियाँ प्रेषित की गई जिनमें से 20 ने आंकड़े उपलब्ध कराये। प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार थे- (1) अधिकांश स्कूलों में पास शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम थे (2) समग्र के लगभग सभी विद्यालयों में आन्तकिर खेल तथा वार्षिक खेल दिवस आयोजित होते थे (3) अधिकांश स्कूलों में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा के अध्यापक एवं पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध थीं (4) अधिकांश स्कूलों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए कोचिंग आदि का प्रावधान था, और (5) अधिकांश स्कूलों में खेलों के लिए वार्षिक बजट 5000 रूपये या उससे अधिक था।

समस्या कथन:- "भोपाल शहर के शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की दी जाने वाली खेल सुविधाओं एंव उपलब्धि का मूल्यांकन"।

अध्ययन के उद्देश्य

भोपाल शहर के शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की दी जाने वाली खेल सुविधाओं का एंव उपलब्धि मूल्यांकन करना।

विश्लेषण:-

(क) शोध प्रविधि:-

सर्वेक्षण विधि वर्तमान से संबंधित समस्याओं तथा परिस्थितियों के अध्ययन एवं विश्लेषण की ऐसी विधि है जो निश्चित भौगोलिक सीमाओं तथा कारकों से प्रभावित होती है एवं जिसके द्वारा प्राप्त निष्कर्षों एंव सुझावों का समाज में उपयोग किया जा सकता है। यह ज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने की सार्थक विधि है। प्रस्तुत अनुसंधान में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

(ख) न्यादर्श का चयन:-

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा भोपाल जिले के विभिन्न शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों से 90 शिक्षकों का चयन यादृच्छिक न्यादर्शन विधि द्वारा चुना गया है।

(ग) स्वनिर्मित उपकरण:-

शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में दी जाने वाली खेल सुविधाओं एवं छात्रों की उपलब्धि मापन के लिए अनुसंधानकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया है।

परिकल्पना:- 1

महाविद्यालय में खिलाडियों के लिए पर्याप्त खेल मैदानों की सुविधा है।

समूह	संख्या	सहमत		असहमत		अनिश्चित		(x^2) मान	(x^2) सारणी मान	सार्थकता 0.05 स्तर
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%			
शारीरिक शिक्षा महा–विद्यालयों के शिक्षक	90	38	42.22	50	55.55	2	2.22	41.5	5.99	सार्थक

व्याख्या- उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है, कि महाविद्यालय में खिलाडियों के लिए पर्याप्त खेल मैदानों की सुविधा से सम्बंधित प्रतिक्रिया का परिकलित मान **41.5** है। जबकि **df-2** के लिए **0.05** स्तर पर **(x^2)** का सारणीमान **5.99** है। इस प्रकार परिकलित मान अधिक है, सारणीमान से अर्थात् **41.5 5.99**। इस प्रकार कह सकते हैं कि शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में खिलाडियों के लिए पर्याप्त खेल मैदानों की सुविधा नहीं है।

आरेख क्र. 1.

महाविद्यालय में खिलाडियों के लिए पर्याप्त खेल मैदानों की सुविधा के लिए प्राप्त मानों का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

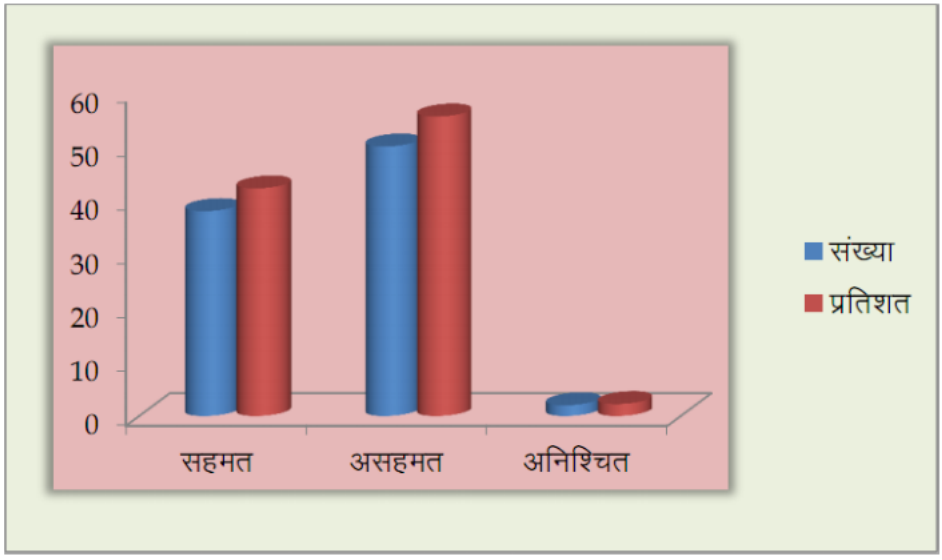

परिकल्पना:- 2

महाविद्यालय में खेल के आधुनिक क्रीडा-साहित्य एवं उपकरण हैं।

समूह	संख्या	सहमत		असहमत		अनिश्चित		(x^2) मान	(x^2) सारणी मान	सार्थकता 0.05 स्तर
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%			
शारीरिक शिक्षा महा–विद्यालयों के शिक्षक	90	31	34.44	55	61.11	4	4.44	43.63	5.99	सार्थक

व्याख्या:- उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है, कि महाविद्यालय में खेल के आधुनिक क्रीडा-साहित्य एवं उपकरण है, इससे सम्बधित प्रतिक्रया का परिकलित **(x^2)** मान **43.63** है जबकि **df-2** के लिए **0.05** स्तर पर **(x^2)** का सारणीमान **5.99** है। इस प्रकार परिकलित मान अधिक है सारणीमान से अर्थात् **43-63>5-99**। इस प्रकार कह सकते हैं कि महाविद्यालय में खेल के आधुनिक क्रीडा-साहित्य एवं उपकरण हैं, इसके प्रति असहमति की प्रवृत्ति है।

आरेख क्र. 2.

महाविद्यालय में खेल के आधुनिक क्रीडा-साहित्य एवं उपकरण के लिए प्राप्त मानों का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

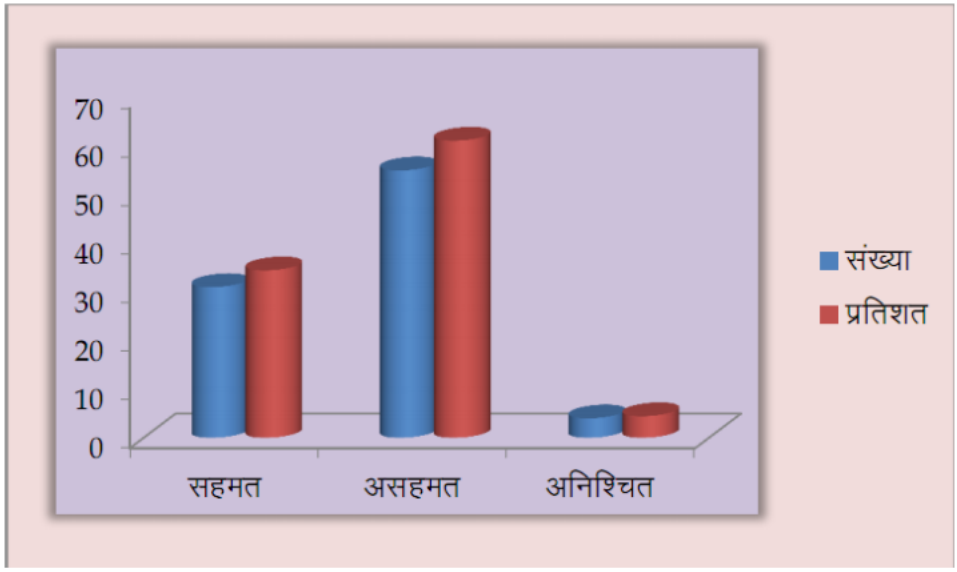

परिकल्पना:- 3

महाविद्यालय में खिलाडियों के अनुपात में खेल सामग्री उपलब्ध

समूह	संख्या	सहमत		असहमत		अनिश्चित		(x^2) मान	(x^2) सारणी मान	सार्थकता 0.05 स्तर
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%			
शारीरिक शिक्षा महा–विद्यालयों के शिक्षक	90	40	44.44	45	50	5	5.55	31.63	5.99	सार्थक

व्याख्या:- उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है, कि महाविद्यालय में खिलाडियों के अनुपात में खेल सामग्री उपलब्ध है, इससे सम्बधित प्रतिक्रिया का परिकलित **(x^2)** मान **31.63** है जबकि **df-2** के लिए **0.05** स्तर पर **(x^2)** का सारणीमान **5.99** है। इस प्रकार परिकलित मान अधिक है सारणीमान से अर्थात् **31-63>5-99**। इस प्रकार कह सकते हैं, कि महाविद्यालय में खिलाडियों के अनुपात में खेल सामग्री उपलब्ध है इसके प्रति असहमति की प्रवृत्ति है।

आरेख क्र. 3.

महाविद्यालय में खिलाडियों के अनुपात में खेल सामग्री उपलब्ध के लिए प्राप्त मानों का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

परिकल्पना:- 4

आप महाविद्यालय की वर्तमान खेल उपलब्धियों से संतुष्ट हैं।

समूह	संख्या	सहमत		असहमत		अनिश्चित		(x^2) मान	(x^2) सारणी मान	सार्थकता 0.05 स्तर
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%			
शारीरिक शिक्षा महा–विद्यालयों के शिक्षक	90	20	22.22	67	74.44	3	3.33	73.23	5.99	सार्थक

व्याख्या:- उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि आप महाविद्यालय की वर्तमान खेल उपलब्धियों से संतुष्ट हैं, इससे सम्बधित प्रतिक्रिया का परिकलित **(x^2)** मान **73.23** है जबकि **df-2** के लिए **0.05** स्तर पर **(x^2)** का सारणीमान **5.99** है। इस प्रकार परिकलित मान अधिक है सारणीमान से अर्थात् **73-23>5-99**। इस प्रकार कह सकते हैं कि आप महाविद्यालय की वर्तमान खेल उपलब्धियों से संतुष्ट हैं, इसके प्रति असहमति की प्रवृत्ति है।

आरेख क्र. 4.

आप महाविद्यालय की वर्तमान खेल उपलब्धियों से संतुष्ट के लिए प्राप्त मानों का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

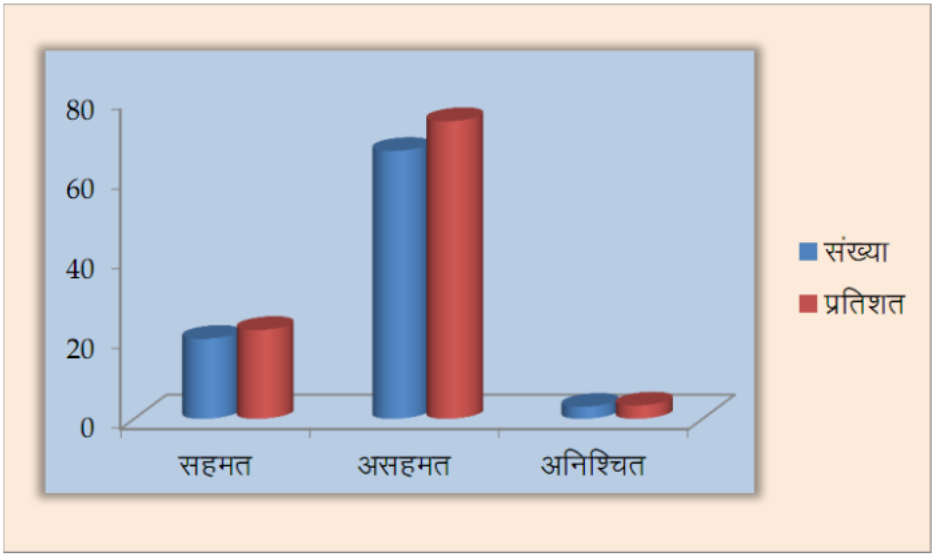

निष्कर्ष

उपरोक्त गणना के आधार पर यह कहा जा सकता है, कि शासकीय एवं अशासकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की दी जाने वाली खेल सुविधाएं संतोषजनक नहीं पायी गयी एवं उपलब्धि का स्तर निम्न पाया गया।

सुझाव

शासकीय एवं अशासकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को समान प्रकार की खेल सुविधाए दी जानी चाहिए जिससे शासकीय के साथ अशासकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थी भी अच्छा प्रर्दशन कर सकें और उच्च उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

गैरट ई. हैनरी (**1966**). "शिक्षा और मनोविज्ञान में संख्यिकी के प्रयोग" कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना।

गुप्ता. एच.पी. (**2005**). "सांख्यिकीय विधि "शारदा पुस्तक भवन इलाहाबद।

मुहम्मद सुलैमान एवं रिजवाना तरन्नुम (**2006**). "नोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण "पब्लिशर्स मोतीलाल बनारसीदास।

शर्मा, रमा शारीरिक शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशन्स आगरा, पृ.क्र. **14-17.**